भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

31.07.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1491 का उत्तर

आंध्र प्रदेश में अमृत भारत स्टेशन

1491. श्री के. राधाकृष्णन:
श्री बी. के. पार्थसारथी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अंतर्गत आंध्र प्रदेश में शामिल रेलवे स्टेशनों का, विशेषकर त्रिशूर और पलक्कड़ रेलवे स्टेशनों के संबंध में, जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने केरल में अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों के विकास हेतु कोई कदम उठाए है;

(ग) गत वर्ष के दौरान आंध्र प्रदेश में अमृत भारत स्टेशनों के विकास हेतु आवंटित और संवितरित निधि का जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) आंध्र प्रदेश में प्रत्येक अमृत भारत स्टेशन के विकास की वर्तमान स्थिति क्या है और उन स्टेशन का ब्यौरा क्या है, जिनका विकास पूरा हो चुका है; और

(ङ) आंध्र प्रदेश में स्टेशनों के संबंध में अमृत भारत स्टेशन योजना के कार्यान्वयन में विलंब का ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

आंध्र प्रदेश में अमृत भारत स्टेशन के संबंध में दिनांक 31.07.2024 को लोक सभा में श्री के. राधाकृष्णन और श्री बी. के. पार्थसारथी के अतारांकित प्रश्न सं. 1491 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): रेल मंत्रालय ने भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है।

इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लैटफॉर्म की सतह में सुधार और प्लैटफॉर्म के ऊपर कवर, स्वच्छता, मुफ्त वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामोदिष्ट स्थान, भूदृश्य निर्माण आदि जैसी स्टेशनों पर सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है।

इस योजना में आवश्यकतानुसार चरणबद्ध रूप से एवं व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि शामिल हैं और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के सृजन की भी संकल्पना की गई है।

अभी तक, इस योजना के अंतर्गत चिह्नित 1324 रेलवे स्टेशनों में से आंध्र प्रदेश राज्य में 73 स्टेशन स्थित हैं और केरल राज्य में त्रिशूर सहित 35 स्टेशन स्थित हैं। आंध्र प्रदेश और केरल राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए पहचान किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
आंध्र प्रदेश	73	अदोनी, अनकापल्ले, अनंतपुर, अनापार्थी, अराकू, बापटला, भीमावरम टाउन, बोब्बिली जंक्शन, चिपुरुपल्ली, चिराला, चित्तूर, कड़पा, कुंबुम, धर्मावरम, धोने, डोनाकोंडा, दुव्वाडा, इलामंचिली, एलुरु, गिद्दलूर, गूटी, गुडिवाड़ा, गुडुर, गुनाडाला, गुंटूर, हिंदूपुर, इच्छापुरम, कादिरी, काकीनाडा टाउन, कोट्टावलासा, कुप्पम, कुरनूल सिटी, मछेरिया, मछलीपट्टनम, मदनपल्ली रोड, मंगलागिरी, मर्कापुरम रोड, मत्रालयम रोड, नादिकुडे जंक्शन,

		नंद्याल, नरसारावपेट, नरसापुर, नौपाड़ा जंक्शन, नेल्लोर, निदादावोलु, ओंगोल, पाकला, पलासा, पार्वतीपुरम, पिदुगुरल्ला, पिलर, राजमपेट, राजमुंदरी, रायनपडु, रेनिगुंटा, रेपल्ले, समालकोट, सत्तनपल्ले, सत्यसाइ प्रशांति निलयम, सिम्हाचलम, सिंगारायकोंडा, श्रीकालहस्ती, श्रीकाकुलम रोड, सुल्लुरपेटा, ताडेपल्लीगुडेम, ताडिपत्रि, तेनाली, तिरुपति, तुनी, विजयवाड़ा, विनुकोंडा, विशाखापत्तनम, विजयानगरम जंक्शन
केरल	35	अलाप्पुझा, अंगडीप्पुरम, कलाडी के लिए अंगमाली, चलाकुडी, चंगनाचेरी, चेंगन्नूर, चिरयिनिकिल, एर्णाकुलम, एर्णाकुलम टाउन, एट्टुमानूर, फेरोक, गुरुवयूर, कण्णूर, कासरगोड, कयानकुलम, कोल्लम, कोझिकोड, कुट्टीपुरम, मवेलीकारा, नेय्यातिनकारा, नीलांबुर रोड, ओट्टप्पलम, परप्पनंगडी, पय्यानूर, पुनालुर, षोर्णानूर जं., थलास्सेरी, तिरुवनंतपुरम, त्रिशूर, तिरूर, तिरुवल्ला, थिरुपनिथुरा, वडकारा, वर्कला, वडकांचेरी

योजना शीर्ष-53 "यात्री सुविधाएं" के तहत धन आवंटन का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि राज्य-वार या जिला-वार। आंध्र प्रदेश राज्य 04 जोनों अर्थात् पूर्व तट रेलवे, दक्षिण रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे और दक्षिण पश्चिम रेलवे के अंतर्गत आता है। पिछले वित्तीय वर्ष अर्थात् 2023-24 के दौरान योजना शीर्ष-53 'यात्री सुविधाएं' के अंतर्गत इन रेलों को आवंटित धनराशि का विवरण निम्नानुसार है:-

(आंकड़े करोड़ रुपये में)

क्षेत्रीय रेल	2023-24
	आवंटन
पूर्व तट	671.74
दक्षिण	562.72
दक्षिण मध्य	801.58
दक्षिण पश्चिम	463.39

बहरहाल, रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिससे यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा जुड़ी होती है और दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना, (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होते हैं और ये कारक कार्य के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा इंगित नहीं की जा सकती है।

*****